प्रतिवेदन

एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यपुस्तक आधारित उन्मुखीकरण(कक्षा–11)
विषय – भौतिक
दिनांक 17, 18, 19 एवं 20 मई 2017 एवं 19,20 जुलाई 2017

NCERT नई दिल्ली द्वारा रचित तथा SCERT छ.ग. द्वारा स्वीकृत पाठ्य पुस्तक विषय भौतिकी पर शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला :–

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिशद् छ.ग., रायपुर द्वारा दो दिवसीय आवासीय विषय प्रशिक्षण, दो समूहों में किया गया जिसमें निम्न स्त्रोत व्यक्तियों द्वारा निम्न बिन्दुओं पर चर्चा किया गई।

Sudhir Agrawal (Director SCERT raipur) – विज्ञान षिक्षण राष्ट्रीय फोकस समूह का आधार पत्र पर चर्चा

संचालक SCERT द्वारा विज्ञान शिक्षण राष्ट्रीय फोकस समूह के आधार पत्र के मुख्य बिन्दूओं पर प्रकाश डाला गया तथा विषय वस्तु और छात्र एवं शिक्षक के मध्य समायोजन कैसा हो तथा बच्चों के सर्वांगीण विकास पर भी बल दिया गया।

Dr T.V.Venkateswaran (Scientist F VIGYAN PRASAR Department of science & technology , Govt. of India) – Moon mission पर चर्चा

भारतीय वैज्ञानिक डॉ. वेंकटेश्वरण द्वारा आंतरिक्ष में सेटेलाइट छोड़े जाने सम्बंधी विषयों पर पूरी जानकारी दी एवं भारतीय वैज्ञानिकों के बारे में कहा गया कि अधिकतर वैज्ञानिक शासकीय विद्यालयों में पढ़े हुए हैं। शिक्षकों के मनोबल में वृद्धि हुई। साथ ही गुरूत्वाकर्षण पर भी उन्होंने प्रकाश डाला ।

Prof. S K Pandey (VC Pt. RSU Raipur)– How to understand physics पर चर्चा

(डॉ. एस. के पाण्डे, प्रोफेसर, भौतिकी) कुलपति, पं. रविशंकर विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा शिक्षकों के आत्मविश्वास में वृद्धि एवं क्षमता विकास करने एवं भौतिकी के अध्यापन की कठिनाईयों एवं उनके समाधान करने के तरीकों एवं अनुसंधान कार्यों को प्रोत्साहित करने पर बल दिया गया।

Smt. Vandana Agrawal,(Principal,Govt H. S.S.Phundhar,Raipur – Motivational Speech

श्रीमती वन्दना अग्रवाल, प्राचार्य द्वारा अपने गरिमामय उद्बोधन में छात्र/छात्राओं के बीच बेहतर समायोजन स्थापित करते हुए छत्तीसगढ़ के शिक्षा स्तर को उच्चतम स्तर पर पहुँचाने के लिए समेकित प्रयास की आवश्यकता बताई। उन्होंने बताया कि प्रदेश के शिक्षक क्षमतावान हैं तथा CBSE पाठ्यक्रम को बेहतर ढ़ग से लागु करा पाने में सक्ष्म हैं। उन्होंने कई प्रेरणादायक घटनाओं का भी उल्लेख किया।

Dr Ragini Pandey Asst.pro.(– Motion)

गति के ग्राफीय निरूपण एवं आंकिक प्रश्नों पर चर्चा की गई।

Smt. Pushpa Kishpotta – General Aims and Objectives of Teaching Physical Science
- Methods of Teaching Physical Science

भौतिक विज्ञान षिक्षण के लक्ष्य :– किसी भी कार्य को करने से पहले यह सोचा जाता है कि यह कार्य क्यों करना चाहिए ? इसके करने से क्या– क्या लाभ प्राप्त होंगे ? इसी के अनुसार काम करने की योजना बनाई जाती है तथा काम को करने से अधिक से अधिक लाभ प्राप्त हो सके । इन्ही लाभों की प्राप्ति के लिये भिन्न–भिन्न स्तर के बच्चों की आवश्यकताओं योग्यताओं तथा रूचियों के आधार पर भौतिक विज्ञान पढ़ाने के लिये उद्देश्य निर्धारित किये जाते हैं तथा उन्हें अनुकूल योजना बनाकर प्राप्त करना ही पढ़ने और पढ़ाने का लक्ष्य मान लिया जाता है। इस दृष्टिकोण से भौतिक विज्ञान षिक्षण के लक्ष्य निम्नानुसार निर्धारित किये जा सकते हैः–

- विद्यार्थियों को विषय के गहन एवं सूक्ष्म ज्ञान की जानकारी देना।
- विद्यार्थियों की अन्वेषणात्मक एवं रचनात्मक शक्तियों को पनपने के लिए उचित अवसर प्रदान करना।
- प्रयोग संबंधी कुशलता उत्पन्न कर भौतिक विज्ञान के उपयोगों को समझने की योग्यता विकासित करना।
- भौतिक विज्ञान की पढ़ाई द्वारा विद्यार्थियों को किसी विशेष व्यवसाय अथवा उससे संबंधित पाठ्यक्रम के अध्ययन के लिये तैयार करना।
- भैतिक विज्ञान के ज्ञान के विशेष पक्षों में प्रवीणता अर्जित करना।
- विद्यार्थियों को अपने चुने हुए भौतिक विज्ञान के विशेष ज्ञान का स्वतंत्र रूप से अध्ययन और मनन करने के लिए प्रेरित करना।
- संदर्भ ग्रंथों तथा विशेषज्ञ पत्रिकाओं आदि का अध्ययन कर नवीनतम भौतिक विज्ञान खोजों को समझने और स्वयं ऐसा कर सकने की प्रेरणा और अवसर प्रदान करना।

भौतिक विज्ञान षिक्षण के उद्देष्य :–

विषय विशेष की शिक्षा द्वारा लाभों या मूल्यों की प्राप्ति के लिए विषय के शिक्षण द्वारा सम्भव बनाना उस विषय के शैक्षिक लक्ष्य बन जाते हैं। लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए विशेष शिक्षण द्वारा विद्यार्थी विशेष के व्यवहार में वांछित परिवर्तन लाने की भूमिका उचित रूप निभाई जा सकती है।

- भौतिक विज्ञान से संबधित पदों, तथ्यों अवधारणाओं, परिभाषाओं सिध्दांन्तों तथा प्रक्रियाओं से संबधित ज्ञान के बारे में समुचित समझ एवं ज्ञान विकसित करना।
- भौतिक विज्ञान से संबधित अपने अर्जित ज्ञान और समझ का प्रयोग दिन प्रतिदिन के कार्यो को संपादित करने तथा अपरिचित परिस्थितियों, समस्याओं का सामना करने की क्षमता का विकास करना।
- वैज्ञानिक दृष्टिकोण और अभिवृति का समुचित विकास जागृत करना

- तार्किक सोच एवं विष्लेषण क्षमता का विकास करना।
- भौतिक विज्ञान के ज्ञान–बोध तथा प्रायोगिक कौशल सर्वेक्षण कौशल एवं गणितीय कौशल का विकास हो।
- विद्यार्थियों में मौलिक अन्वेषण तथा सृजनात्मक प्रवृति विकसित करना।

भौतिक विज्ञान की निम्न षिक्षण की विधियाँ हैं:–

उद्देष्य की पूर्ति के लिए यह निश्चित किया जाता है कि क्या–क्या पढ़ाया जाए, किस प्रकार पढ़ाया जाए जिससे सरलतापूर्वक निषचित उददे्श्यों की प्राप्ति हो सके। किस प्रकार पढ़ाया जाए यह जानने के लिए भली–भांति अध्ययन और परीक्षण करके विभिन्न प्रणालियों और विधियों को निषचित किय गया है इन प्रणालियों और विधियों का उपयोग पाठ के प्रकृति के अनुसार होगा।

शिक्षकों को विषय–वस्तु की आवश्यकतानुसार उचित विधि का चयन कर विद्यार्थियों को पढ़ाना चाहिए। शिक्षक सभी अध्यायों को पढ़ाने के लिए इन्हीं विधियों को चयन करेंगे।

- व्याख्यान विधि (**Lecture Method**)
- प्रदर्शन विधि(Demonstration Method)
- व्याख्यान युक्त प्रदर्षन विधि(Lecture-cum-Demonstration Method)
- प्रयोगशाला विधि(Laboratory Method)
- अनुसंधान खोज विधि(Heuristic Method)
- प्रायोजना विधि(Project Method)
- अधिविन्यास विधि(Assignment Method)
- समस्या समाधन विधि(Problem Solving Method)
- समूह चर्चा(Group discussion)

R S Prasad – Newton's Law of motion and Curriculum Discussion

- What is meant by unbalanced force
- Some example from real life
- What does F=ma Say?
- What Third law say?
- Free body diagram and How to solve the numerical
- Free body diagram for more then two forces
- Pulley Problem
- Shortcut to solve the problems having more then two forces
- Numerical examples solved

Dr Bhoopendra Dhar Diwan - Learning Recourses अध्याय पर चर्चा के आधार

Simulation/Virtual Labs

1.Amrita Online Lab (amrita.olass.edu.in/)

2.University of Colorado(https.//phet.colorado.edu/)

3.11th Physics Books Question Help line(http://www.jagranjosh.com)

4.Learn CBSE (http://www.learncbse.in

5.Chapter Wise Question Helpline AglaSem Schools(https://schools.aglasem.com

6.Learn CBSE(http://www.learncbse.in

Mitesh Sharma – Question paper Designing and Blooms Taxonomy

- 21st century skills and Teaching Methodology

- Colored Chalks/Markers
- Flash Card
- Chats ex. explaining graphs
- Audio-Video Aid
- Models
- Laboratory
- Games
- Time Management through ---- DAILY LESSON PLAN
  Key to "SUCCESS''
- Five Principles of Extraordinary Teaching

Human sahu, Dr Bhoopendra Dhar Diwan and Alok Swarnakar - Hand on activity

Silent features of Physics Laboratories

- Hands-on learning
- *Investigation* of basic scientific principles
- Hands-on learning is the only way students can directly observe and understand science.
- They learn the what, how, when, and why, of things with which they interact.
- These experiences are necessary if the youngsters of today are to remain "turned-on" to science and become scientifically literate.

Priyanka Sharma – Thermodynamics

- What is thermodynamics
- What is system,surrounding &Boundary
- Types of system
- Thermodynamics Eguilibrium
- Properties of a system

- **Rajendra Kumar Kalet – Comparative Analysis of CGBSE and NCERT Curriculums**

Objectives of practical work

- Physics deals with the understanding of natural phenomena and applying this understanding to use the phenomena for development of technology and for the betterment of society.
- Physics practical work involves 'learning by doing'. It clarifies concepts and lays the seed for enquiry.
- Careful and stepwise observation of sequences during an experiment or activity facilitate personal investigation as well as small group or team learning.
- Students experience of using a verity of measuring instruments.

K K Kashyap – Experimental Demonstration (Laws of motion and Friction)

प्रायोगिक प्रदर्शन द्वारा अवधारणाओं को समझाया गया।

Vivek Verma – Waves पर विस्तृत चर्चा की गई

Navin khare—Important Mathematetical Formula&waves,

शिक्षकों द्वारा पूछे गए कठिन बिन्दुओं पर विस्तृत चर्चा की गई।

शिक्षकों को समुहों में विभक्त का 15 अध्याय पर कार्य दिए गए सभी अध्यायों पर चर्चा के कुछ बिन्दु दिए गए थे। अध्याय पर चर्चा के आधार निम्नानुसार थे–

1. अध्याय के उन बिन्दुओं को चिन्हांकित करें जिसे पढ़ाने में कठिनाई महसूस करते हैं।
2. अध्याय के मुख्य बिन्दुओं के अध्यापन के लिए कौन सी विधि उपयोग करेंगे?(दो–तीन विधि)
3. अवधारणाओं के सूत्र की व्युत्पत्ति करने की विधि पर अपना तर्क।
4. अवधारणाओं से संबंधित आंकिक प्रश्नों पर अपना तर्क प्रस्तुत करें।
5. अवधारणाओं पर दैनिक जीवन में घटित घटना का उदाहरण जो पुस्तक में नहीं है।
6. अभ्यासार्थ प्रश्नों को हल करने का तरीका।
7. छ.ग. और सी.बी.एस.ई. पाठ्यक्रम के प्रश्नों में तुलना।
8. अध्याय में किन–किन अवधारणाओं पर प्रायोगिक/गतिविधि कार्य किया जा सकता है?
9. अध्याय के विषयवस्तु को अध्यापन एवं सरलीकृत करने के लिए न्यूनतम प्रदर्शन उपकरण की सूची।

शिक्षकों द्वारा अध्यायों पर बिन्दूवार कार्य करने के पश्चात् प्रस्तुतीकरण किया गया।

शिक्षक लार्निंग कार्नर का भी निर्माण किया गया है जिसमें जिलेवार चार–चार शिक्षकों को जिला समन्वयक बनाया गया है। जिनका कार्य जिले के शिक्षकों के साथ मिलकर विषय सम्बन्धी अवधारणात्मक समस्याओं का समाधान करना है।

टीचिंग लर्निंग कॉर्नर

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005 इस बात की पुरजोर अनुशंसा करती है कि शिक्षकों के सशक्तिकरण का एक महत्वपूर्ण तरीका है उन्हें आपस में संवाद करने के लिए उन्मुख किया जाए। उन्हें एक ऐसा फोरम उपलब्ध कराया जाए जहाँ उनके बीच अकादमिक विमर्श हो सके, भौतिकी विज्ञान पढ़ने–पढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की जा सके और एक–दूसरे की विषयगत ज़रूरतों और चुनौतियों को समझकर शिक्षक स्वयं की विषयगत क्षमता में सवंर्धन कर सकें।

राज्य में सत्र 2017–18 से कक्षा–11वीं विषय भौतिक, रसायन, जीवविज्ञान हेतु NCERT नई दिल्ली द्वारा रचित पाठ्यपुस्तकों को लागू किया गया है तथा इन विषयों का अध्यापन करने वाले शिक्षकों को प्रशिक्षित भी किया जा चुका है।

शिक्षकों को पूरे सत्र सहयोग प्रदान किया जा सके इस दृष्टि से राज्यस्तर पर विषयवार (भौतिक, रसायन, जीवविज्ञान) टीचिंग लर्निंग कार्नर एस.सी.ई.आर.टी.छ.ग.में तथा जिला स्तर पर विषयवार टीचिंग लर्निंग कार्नर समस्त जिलों में स्थापित किए गए हैं। टीचिंग लर्निंग कार्नर की स्थापना का उद्देश्य शिक्षकों को एक ऐसा फोरम प्रदान करना है जहां वे अध्ययन–अध्यापन प्रक्रिया के दौरान प्राप्त अनुभवों का साझा कर सकें तथा आपसी चर्चा अथवा विषय विशेषज्ञों से चर्चा कर विषयगत कठिनाइयों का निराकरण कर सकें।

टीचिंग लर्निंग कार्नर में होने वाली गतिविधियां–

- जिला तथा राज्य स्तर से शिक्षकों के साथ विषयवस्तु पर चर्चा।
- विषयों के अध्यापन के समय शिक्षकों के समक्ष आयी अवधारणात्मक समस्याओं पर जिला स्तर पर आपस में चर्चा तथा निराकरण।
- एडुसेट तथा अन्य संचार माध्यमों से जुड़कर राज्यस्तर से विषयगत चर्चाएं।
- विषयवस्तु पर आधारित प्रश्नों पर चर्चा।
- अवधारणाओं को समझने में ICT का उपयोग।
- विज्ञान से संबंधित अन्य गतिविधियों/नवाचार/शोध कार्यों पर चर्चा ।
- कक्षाओं में हो रहे उत्तम कार्यों (Best Practices) पर चर्चा।

राज्य स्तर पर SCERT छ.ग. में विषयवार निर्मित टीचिंग लर्निंग कार्नर के प्रभारी क्रमशः भौतिक, रसायन एवं जीवविज्ञान विषय समन्वयक होंगे।

जिला स्तर पर विषयवार टीचिंग लर्निंग कार्नर निर्माण हेतु शाला चयन की जिम्मेदारी जिला शिक्षा अधिकारी को दी गयी है। चयन ऐसी संस्था का किया गया है जहाँ एडुसेट केन्द्र हो तथा प्रायोगिक कार्य करने हेतु सुविधायुक्त प्रयोगशाला हो। चयनित शाला के प्राचार्य टीचिंग लर्निंग कार्नरस के प्रभारी तथा उस शाला के भौतिक, रसायन तथा जीवविज्ञान पढ़ाने वाले एक–एक व्याख्याता/व्या.(पंचायत) इनके समन्वयक हैं।

चयनित शाला के संकाय सदस्यों (समन्वयकों) के अतिरिक्त प्रत्येक जिले के विषयवार 4–4 व्याख्याता/व्या.(पंचायत) इनके सदस्य हैं। इन सदस्यों का चयन मई में आयोजित प्रशिक्षण के दौरान किया जा चुका है। जिस जिले के सदस्य प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित नहीं हुए हैं उस जिले हेतु 4–4 सदस्यों के नामांकन की जिम्मेदारी भी जिला शिक्षा अधिकारी को दी गयी है। ये सदस्य लगातार जिले के समस्त शिक्षकों के सम्पर्क में रहेंगे तथा माह के चौथे शनिवार तक साथियों से बातचीत कर चर्चा हेतु बिंदु एकत्रित करेंगे तथा अगले माह के प्रथम शनिवार तक आपस में मिलकर चर्चा कर शिक्षकों की समस्याओं का समाधान कर क्षमता संवर्धन करेंगे। राज्य स्तर से चर्चाएं एडुसेट के माध्यम से की जाएंगी।

टीचिंग लर्निंग कॉर्नर

जिलेवार शिक्षकों के नाम

विषयः–भौतिकी

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् छ.ग.रायपुर

स. क्र.	शिक्षक का नाम	विद्यालय का नाम	मोबाईल नम्बर	ई मेल
जिले का नाम–– रायपुर				
1.	डॉ. जितेन्द्र कुमार शर्मा	शा.उ.मा.वि.खौला	9993325049	
2.	संतोष साहू	शा.उ.मा.वि.हासदा	9669582658	

3.	श्रीमती दीप्ति साहू	शा.उ.मा.वि.हासदा	9926903820	
4.	श्रीमती प्रीति गुप्ता	शा.उ.मा.वि.लखोली	9827449559	
जिले का नाम–बलौदाबाजार				
1.	चन्द्रकांत वर्मा	शा.उ.मा.वि.असलीद	9752777313	
2.	श्रीमती वीणा पाटकर	शा.उ.मा.वि.बलौदाबाजार	9479100538	
3.	भुवनेश्वर प्रसााद वर्मा	शा.उ.मा.वि.मठवेरा	9009618768	
4.	इन्द्रमन कुमार देवांगन	शा.उ.मा.वि.करहीबाजार	9131140447	
जिले का नाम–धमतरी				
1.	होमनलाल साहू	शा.उ.मा.वि.मन्दरौद	9893906895	
2.	चन्द्रिका प्रसाद साहू	शा.उ.मा.वि.अमलीडीह	9669586616	
3.	नवीन खरे	शा.उ.मा.वि.खरतुली	9827488290	
4.	चन्द्रहास साहू	शा.उ.मा.वि.पचपेड़ी	8435561868	
जिले का नाम–मुंगेली				
1.	कु. प्रियंका शर्मा	शा.क.उ.मा.वि.मुंगेली	7389661234	
2.	रवि कुमार देवांगन	शा.उ.मा.वि.चकरभाटा	9907116145	
3.	अशोक राजपूत प्राचार्य	शा.उ.मा.वि.गोड़खाम्ही	989354827	
4.	विवेक यादव	शा.उ.मा.वि.सेमरसल	9926847439	
जिले का नाम–महासमुन्द				
1.	विवेक कुमार वर्मा	शा.उ.मा.वि.गोंदबहाल	9046201856	
2.	निर्मल प्रधान	शा.उ.मा.वि.सरायपाली	9479140349	
3.	मनोज साहू	शा.उ.मा.वि.खलारी	9977211422	
4.	कन्हैयालाल साहू	शा.उ.मा.वि.बिरकोनी	9165895829	
जिले का नाम–दुर्ग				
1.	सेमेन कुण्डु,प्राचार्य	शा.उ.मा.वि.कुगदा	9425556061	
2.	सुस्मिता मिश्रा	शा.उ.मा.वि.मरौदा टैंक	9617662605	
3.	श्रीमती सोनिया गुप्ता	जी.डी.एस.शा.उ.मा.वि. दुर्ग	9827107652	
4.	श्रीमती सरला राणे	शा.उ.मा.वि.दीपक नगर दुर्ग	9770126437	

जिले का नाम–राजनांदगाँव				
1.	रोमेश बघेल	शा.उ.मा.वि.दुगाटोला मोहला	88899675442	
2.	जनकी वल्लभ टेबोला	शा.उ.मा.वि. भिलाईनगर	9981194268	
3.	संजय श्रीवास्तव	शा.उ.मा.वि.खैरागढ़	9754001400	
4.	अलका लोन्हारे	शा.उ.मा.वि.अहरगाँव	7879865283	
जिले का नाम–बिलासपुर				
1.	भूपेन्द्रधर दीवान	शा.उ.मा.वि.बुढ़ीखार	9406114477	
2.	कु. श्वेता ओझा	शा.उ.मा.वि.मस्तुरी	9691146787	
3.	डॉ.सरोज चन्द्रेश	शा.क.उ.मा.वि.सीपत	9827180620	
4.	विवेक पाण्डेय	शा.उ.मा.वि. सकरी	9827574217	
जिले का नाम–जांजगीर चांम्पा				
1.	के के.कश्यप	शा.उ.मा.वि.भड़ेसर	9626448552	
2.	अरूण शर्मा	शा.उ.मा.वि. अफरीद	98266535390	
3.	भास्कर यादव	शा.उ.मा.वि. चोरिया	9753111009	
4.	प्रतिभा तिवारी	शा.उ.मा.वि. मड़वा	9977146761	
जिले का नाम–कोरबा				
1.	एल.आर.कर्ष	शा.उ.मा.वि. कुदुरमाल	9630100424	
2.	श्रीमती रिंकुलोध	शा.उ.मा.वि. बरपाली	9516418159	
3.	बी.डी.वैष्णव	एन.सी.डी.सी शा.उ.मा.वि	9039193659	
4.	एन.के.देवांगन	शा.उ.मा.वि. छुरी	9755149510	
जिले का नाम–रायगढ़				
1.	श्री आर एस प्रसाद	शा.उ.मा.वि.लोईंग	9993597077	
2.	राजेन्द्र कुमार कलेट	शा.उ.मा.वि.सम्बलपुरी	8889210368	
3.	बनमाली पटेल	शा.उ.मा.वि.सोनवरसा खरसिया	7566392706	

4.	अजय सिन्हा	शा.उ.मा.वि.किरोड़ीमल नगर	9827168586	
जिले का नाम–जषपुर				
1.	आलोक स्वर्णकार	शा.क.उ.मा.वि.कुनकुरी	9425574077	
2.	कु. नीतु पाठक	शा.बा.उ.मा.वि.कुनकुरी	8103344655	
3.	संतोष अम्बष्ट	शा.उ.मा.वि.मनोरा	9424125205	
4.	राजीव साहू	शा.उ.मा.वि.बासनतला	9691326408	
जिले का नाम–सरगुजा				
1.	प्रवीण कुमार श्रीवास्तव	शा.उ.मा.वि.उदयपुर	9406022901	
2.	शैलेंद्र सिंह सेंगर	शा. बहु.उ.मा.वि. अम्बिकापुर	7389368268	
3.	कृष्णा कुमार सिंह	शा.उ.मा.वि.रामपुर	9424257500	
4.	संजय कुमार	शा.उ.मा.वि.बोदा	9977450046	
जिले का नाम–कोरिया				
1.	जिज्ञासा दुबे	शा.उ.मा.वि.बैकुण्ठपुर	8826733203	
2.	मनोज कुमार पाण्डेय	शा.उ.मा.वि.जामधहना	9425256648	
3.	कमलेश पाण्डेय	शा.उ.मा.वि.बेलबहरा	9827360739	
4.	दीपमाला पाण्डेय	शा.उ.मा.वि.बैकुण्ठपुर	9617993710	
जिले का नाम–सूरजपुर				
1.	संतोष कुमार गुप्ता	शा.उ.मा.वि.भटगाँव	9820195300	
2.	जे. पी.पाल	शा.उ.मा.वि.रमानुजनगर	9406090566	
3.	मोहनलाल कश्यप	शा.उ.मा.वि.बड़सरा	9752501214	
4.	सत्येन्द्र कुमार गुप्ता	शा.उ.मा.वि.प्रेमनगर	9753152808	
जिले का नाम–बलोद				
1.	बी.एम.योगी	शा.क.उ.मा.वि.बालोद	9407606582	
2.	श्रीमती सुषमा सोनी	शा.उ.मा.वि.मोखा	9893102183	
3.	हिरेन्द्र कुमार साहू	शा.उ.मा.वि.गुण्डरदेही	9993305731	

4.	श्वेता पाण्डेय	शा.उ.मा.वि.खुटेरी	7587171291	
जिले का नाम–कबीरधाम				
1.	निलेन्द्र कुमार वर्मा	शा.उ.मा.वि.रकसे	9691305575	
2.	तेजनदास साहू	शा.उ.मा.वि.लोहारा	9179994502	
3.	शिवशंकर साय	शा.उ.मा.वि.गेंदपुर	9039825004	
4.	गुलमोहन कुमार वर्मा	शा.उ.मा.वि.रेंगाखारकला	8889868281	
जिले का नाम–बेमेतरा				
1.	श्रीमती पुनम विचकोरिया	शा.उ.मा.वि. देवरगाँव,साजा	7000762675	
2.	मोहित कुमार	शा.उ.मा.वि.बेरला	8103673754	
3.	एस साहू	शा.उ.मा.वि.नवागढ़	9893958610	
4	श्रीमती नीता साहू	शा.उ.मा.वि.जेवरा	7879520688	
जिले का नाम–गरियाबंद				
1.	पुरूषोत्तमलाल वर्मा	शा.उ.मा.वि.पाण्डुका	9977821423	
2.	विष्णुप्रसाद पटेल	शा.टीडीउ.मा.वि.फिंगेश्वर	9575331947	
3.	शशि साहू	शा.उ.मा.वि.मैनपुर	9691242226	
4.	राधेश्याम साहू	शा.उ.मा.वि.अतरमारा	9009450050	
जिले का नाम–दन्तेवाड़ा				
1.	नेहानाथ	शा.उ.मा.वि.कुआकोण्डा	9406225772	
2.	श्रीती कुण्डु	शा.उ.मा.वि.बचेली	9826740184	
3.	मनीष गावड़े	शा.उ.मा.वि.सरसताल	9406373684	
4.	पार्थ सरकार	शा.उ.मा.वि.तुमनार	9424213419	
जिले कानाम–सुकमा				
1.	संजय वर्मा	शा.उ.मा.वि.कोंटा	9424280754	
2.	पवन कुमार	शा.उ.मा.वि.गोडीरास	7587352860	
3.				
4.				
जिले का नाम–बीजापुर				
1.				

2.				
3.				
4.				
जिले का नाम–नारायणपुर				
1.	कल्याण कुमार मिस्त्री	शा.उ.मा.वि.फरसगांव		
2.				
3.				
4.				
जिले का नाम–कोण्डागाँव				
1.	नरेन्द्र कुमार सोनसर्वे	शा.माडलउ.मा.वि. कोण्डागांव	9425594133	
2.	एन.आर.प्रधान	शा.उ.मा.वि.धनोरा	9479154195	
3.	संजय कुमार राठौर	शा.उ.मा.वि.गिरोला	7748894242	
4.	फगेश्वर चन्देल	शा.उ.मा.वि.मोहले	8654929198	
जिले का नाम–कांकेर				
1.	उमाकान्त देशमुख	शा.उ.मा.वि.पुरी	9754379078	
2.	अभिजीत सरकार	शा.उ.मा.वि.लिलेझर चरामा	7697538908	
3.	रमेश पाल	शा.उ.मा.वि.गोंदाहर	9406362029	
4.	ममता साहू	शा.उ.मा.वि.तारसगाँव	9039568726	
जिले का नाम–बलरामपुर				
1.	रामजीप्रसाद	शा.उ.मा.वि.डौरा	8435896659	
2.	प्रदीप कुमार काठले	शा.उ.मा.वि.गोपालपुर	9406140070	
3.	संतोष कुमार चन्द्रा	शा.उ.मा.वि.पण्डरी	7869529155	
4.	संजय कुमार गुप्ता	शा.उ.मा.वि.कुसमी	8120838083	
जिले का नाम–बस्तर				

1.	मेघराज जैन	शा.उ.मा.वि.चिपका	9406143633	
2.	एच.एन.पांडेय	शा.उ.मा.वि.आधावाल	9424286990	
3.	तरूण ठाकुर	शा.उ.मा.वि.तोकापाल	7587358466	
4.	संजीव विश्वास	शा.उ.मा.वि.लोहण्डीगुड़ा	9479152137	